सामान्य डेटा से परे: वैकल्पिक प्रमाण स्रोतों का उपयोग कर बाल विवाह को संबोधित करना

सवेरा फाउंडेशन, झारखंड द्वारा अंतर्दृष्टियाँ
गर्ल्स नॉट ब्राइड्स पैनल चर्चा

परिचय

- **स्थापना**: 22 जून 2006
- **संस्थापक**: श्री अशोक कुमार
- **मिशन**: अन्याय और शोषण से मुक्त समाज की स्थापना की परिकल्पना करना, जहां दलित, आदिवासी और वंचित लोग शांति और प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीवन व्यतीत कर सकें।
- **भौगोलिक उपस्थिति**: कोडरमा, गिरिडीह और सिंहभूम जिले, झारखंड
- **हमारा मुख्य फोकस:**

➢ बाल संरक्षण

➢ शिक्षा

➢ पर्यावरण

➢ आजीविका

➢ स्वास्थ्य और पोषण

➢ कौशल विकास

डेटा की चुनौती – प्रणालीगत अंतराल

- **स्थानीयकृत डेटा का अभाव:** उपलब्ध अधिकांश डेटा (जैसे, NFHS, UNICEF) केवल राज्य या जिला स्तर पर है।
- **संस्थागत रिकॉर्ड का ना होना :** दूरस्थ गांवों में लोग शायद ही कभी अस्पतालों या औपचारिक शिक्षा तक पहुँचते हैं, जिससे संस्थागत डेटा दुर्लभ या अनुपलब्ध हो जाता है।
- **अविश्वसनीय स्रोत:** आशा कार्यकर्ता जैसे फ्रंटलाइन कार्यकर्ता गाँव स्तर का डेटा एकत्र करते हैं, लेकिन यह अक्सर सत्यापित या वर्गीकृत नहीं होता।
- किशोरों, बाल विवाह और एसआरएचआर पहुंच पर **अद्यतन द्वितीयक डेटा का अभाव ।**
- सामाजिक कलंक और बाल विवाह के सामान्यीकरण के कारण **रिपोर्टिंग में कमी** ।

सवेरा की वैकल्पिक डेटा रणनीति

- **स्वयं का सर्वेक्षण और मानचित्रण:** प्राथमिक डेटा संग्रह के लिए ग्राम स्तर पर सर्वेक्षण करना।
- **केस रिकॉर्ड-आधारित साक्ष्य:** सत्यापित प्रमाण के रूप में CWC और पुलिस रिपोर्ट से केस डेटा का उपयोग।
- **सामुदायिक ज्ञान:** अनुभवों और सहभागिता उपकरणों से डेटा बनाना।
- **स्थानीय सहयोग**: साझा सीख और साक्ष्य निर्माण के लिए CSOs के साथ सहयोग।

सिफारिशे

- पंचायत/ब्लॉक स्तर पर स्थानीयकृत, लिंग-विशिष्ट डेटा सिस्टम का समर्थन करें।
- जमीनी स्तर पर केस रिकॉर्ड को मान्य प्रमाण के रूप में मान्यता दें।
- सिविल सोसाइटी सहयोग के लिए साझा डेटा प्लेटफॉर्म बनाएं।
- किशोर नेतृत्व और समकक्ष अनुसंधान मॉडलों में निवेश करें।
- बाल संरक्षण, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रणालियों में डेटा अभिसरण सुनिश्चित करें।

धन्यवाद